मिशन CTET / STET 2023

HINDI

PREVIOUS YEAR QUESTIONS

CTET / STET की परीक्षाओं हेतु उपयोगी

BY HINDI GURU

LIVE | 05:00 PM

निर्देश(1-9): नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। गद्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?(C-TET 2016)

लघु उद्योग उन उद्योगों को कहा जाता है जिनके शुभारम्भ एवं आयोजन के लिए भारी-भरकम साधनों की आवश्यकता नहीं पड़ती। वे थोड़े से स्थान पर, थोड़ी पूंजी और अल्प साधनों से ही आरंभ किए जा सकते है फिर भी उनसे सुनियोजित ढंग से अधिकाधिक लाभ प्राप्त करके देश की निर्धनता, गरीबी और विषमताओं से एक सीमा तक लाया जा सकता है। अपने आकार-प्रकार तथा साधनों की लघुता व अल्पता के कारण ही इस प्रकार उद्योग धन्धों को कुटिर-उद्योग भी कहा जाता है इस प्रकार के उद्योग-धंधे अपने घर में ही आरंभ किए जा सकते है और अपने सीमित साधनों का सदुपयोग करके आर्थिक लाभ कमाया जा सकता है और सुखी समृद् बनाया जा सकता है।

भारत जैसे देश के लिए तो इस प्रकार के लघु उद्योग का महत्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि यहाँ युवाओं की एक बहुत बड़ी संख्या बेरोजगार है। इसी कारण महात्मा गाँधी ने मशीनीकरण का विरोध किया था कि लघु उद्योग को प्रश्रम देने से लोग स्वावलम्बी बनेंगे, मजदूर-किसान फसलों की बुआई-कटाई से फुर्सत पाकर अपने खाली समय का सदुपयोग भी करेंगे। इस प्रकार आर्थिक समृद्धि तो बढ़ेगी ही, साथ ही लोगों को अपने घर के पास रोजगार मिल सकेगा।

Q1.

उन उद्योगों को लघु उद्योग कहा जाता है---

(a) जो कम साधनों से शुरू किए जा सकते है

(b) जो अल्प विधि तक चलते है

(c) जिनसे अल्प लाभ मिलता है

(d) जिन्हें निर्धन व्यक्ति आयोजित करते है

निर्देश(1-9): नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। गद्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?(C-TET 2016)

लघु उद्योग उन उद्योगों को कहा जाता है जिनके शुभारम्भ एवं आयोजन के लिए भारी-भरकम साधनों की आवश्यकता नहीं पड़ती। वे थोड़े से स्थान पर, थोड़ी पूंजी और अल्प साधनों से ही आरंभ किए जा सकते है फिर भी उनसे सुनियोजित ढंग से अधिकाधिक लाभ प्राप्त करके देश की निर्धनता, गरीबी और विषमताओं से एक सीमा तक लाया जा सकता है। अपने आकार-प्रकार तथा साधनों की लघुता व अल्पता के कारण ही इस प्रकार उद्योग धन्धों को कुटिर-उद्योग भी कहा जाता है इस प्रकार के उद्योग-धंधे अपने घर में ही आरंभ किए जा सकते है और अपने सीमित साधनों का सदुपयोग करके आर्थिक लाभ कमाया जा सकता है और सुखी समृद् बनाया जा सकता है।

भारत जैसे देश के लिए तो इस प्रकार के लघु उद्योग का महत्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि यहाँ युवाओं की एक बहुत बड़ी संख्या बेरोजगार है। इसी कारण महात्मा गाँधी ने मशीनीकरण का विरोध किया था कि लघु उद्योग को प्रश्रम देने से लोग स्वावलम्बी बनेंगे, मजदूर-किसान फसलों की बुआई-कटाई से फुर्सत पाकर अपने खाली समय का सदुपयोग भी करेंगे। इस प्रकार आर्थिक समृद्धि तो बढ़ेगी ही, साथ ही लोगों को अपने घर के पास रोजगार मिल सकेगा।

Q2.

'मशीनीकरण' से तात्पर्य है---

(a) मशीनों का अधिकाधिक निर्माण

(b) मशीनों का अधिकाधिक उपयोग

(c) मशीनों की अधिकाधिक उपलब्धता

(d) मशीनों की अधिकाधिक खरीद

निर्देश(1-9): नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। गद्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?(C-TET 2016)

लघु उद्योग उन उद्योगों को कहा जाता है जिनके शुभारम्भ एवं आयोजन के लिए भारी-भरकम साधनों की आवश्यकता नहीं पड़ती। वे थोड़े से स्थान पर, थोड़ी पूंजी और अल्प साधनों से ही आरंभ किए जा सकते है फिर भी उनसे सुनियोजित ढंग से अधिकाधिक लाभ प्राप्त करके देश की निर्धनता, गरीबी और विषमताओं से एक सीमा तक लाया जा सकता है। अपने आकार-प्रकार तथा साधनों की लघुता व अल्पता के कारण ही इस प्रकार उद्योग धन्धों को कुटिर-उद्योग भी कहा जाता है इस प्रकार के उद्योग-धंधे अपने घर में ही आरंभ किए जा सकते है और अपने सीमित साधनों का सदुपयोग करके आर्थिक लाभ कमाया जा सकता है और सुखी समृद् बनाया जा सकता है।

भारत जैसे देश के लिए तो इस प्रकार के लघु उद्योग का महत्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि यहाँ युवाओं की एक बहुत बड़ी संख्या बेरोजगार है। इसी कारण महात्मा गाँधी ने मशीनीकरण का विरोध किया था कि लघु उद्योग को प्रश्रम देने से लोग स्वावलम्बी बनेंगे, मजदूर-किसान फसलों की बुआई-कटाई से फुर्सत पाकर अपने खाली समय का सदुपयोग भी करेंगे। इस प्रकार आर्थिक समृद्धि तो बढ़ेगी ही, साथ ही लोगों को अपने घर के पास रोजगार मिल सकेगा।

Q3.

भारत जैसे देश के लिए लघु उद्योग-धंधो का महत्व क्यों बढ़ जाता है?

(a) क्योंकि यहां मशीनों की उपलब्धता बहुत कम है

(b) क्योंकि यहां के युवा वर्ग को मशीनों पर काम करना नहीं आता

(c) क्योंकि यहां कम पूंजी वाले लोग अधिक संख्या में है

(d) क्योंकि यहां बहुत-से लोगों को काम की जरूरत है

निर्देश(1-9): नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। गद्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?(C-TET 2016)

लघु उद्योग उन उद्योगों को कहा जाता है जिनके शुभारम्भ एवं आयोजन के लिए भारी-भरकम साधनों की आवश्यकता नहीं पड़ती। वे थोड़े से स्थान पर, थोड़ी पूंजी और अल्प साधनों से ही आरंभ किए जा सकते है फिर भी उनसे सुनियोजित ढंग से अधिकाधिक लाभ प्राप्त करके देश की निर्धनता, गरीबी और विषमताओं से एक सीमा तक लाया जा सकता है। अपने आकार-प्रकार तथा साधनों की लघुता व अल्पता के कारण ही इस प्रकार उद्योग धन्धों को कुटिर-उद्योग भी कहा जाता है इस प्रकार के उद्योग-धंधे अपने घर में ही आरंभ किए जा सकते है और अपने सीमित साधनों का सदुपयोग करके आर्थिक लाभ कमाया जा सकता है और सुखी समृद् बनाया जा सकता है।

भारत जैसे देश के लिए तो इस प्रकार के लघु उद्योग का महत्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि यहाँ युवाओं की एक बहुत बड़ी संख्या बेरोजगार है। इसी कारण महात्मा गाँधी ने मशीनीकरण का विरोध किया था कि लघु उद्योग को प्रश्रय देने से लोग स्वावलम्बी बनेंगे, मजदूर-किसान फसलों की बुआई-कटाई से फुर्सत पाकर अपने खाली समय का सदुपयोग भी करेंगे। इस प्रकार आर्थिक समृद्धि तो बढ़ेगी ही, साथ ही लोगों को अपने घर के पास रोजगार मिल सकेगा।

Q4.

लघु उद्योगों को प्रश्रय देने के संदर्भ में गाँधीजी की क्या धारणा थी?

(a) लोगों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जा सके

(b) समय का सदुपयोग किया जा सके

(c) किसानों को बुआई-कटाई से फुर्सत मिल सके

(d) मशीनीकरण का विरोध किया जा सके

निर्देश(1-9): नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। गद्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?(C-TET 2016)

लघु उद्योग उन उद्योगों को कहा जाता है जिनके शुभारम्भ एवं आयोजन के लिए भारी-भरकम साधनों की आवश्यकता नहीं पड़ती। वे थोड़े से स्थान पर, थोड़ी पूंजी और अल्प साधनों से ही आरंभ किए जा सकते है फिर भी उनसे सुनियोजित ढंग से अधिकाधिक लाभ प्राप्त करके देश की निर्धनता, गरीबी और विषमताओं से एक सीमा तक लाया जा सकता है। अपने आकार-प्रकार तथा साधनों की लघुता व अल्पता के कारण ही इस प्रकार उद्योग धन्धों को कुटिर-उद्योग भी कहा जाता है इस प्रकार के उद्योग-धंधे अपने घर में ही आरंभ किए जा सकते है और अपने सीमित साधनों का सदुपयोग करके आर्थिक लाभ कमाया जा सकता है और सुखी समृद् बनाया जा सकता है।

भारत जैसे देश के लिए तो इस प्रकार के लघु उद्योग का महत्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि यहाँ युवाओं की एक बहुत बड़ी संख्या बेरोजगार है। इसी कारण महात्मा गाँधी ने मशीनीकरण का विरोध किया था कि लघु उद्योग को प्रश्रम देने से लोग स्वावलम्बी बनेंगे, मजदूर-किसान फसलों की बुआई-कटाई से फुर्सत पाकर अपने खाली समय का सदुपयोग भी करेंगे। इस प्रकार आर्थिक समृद्धि तो बढ़ेगी ही, साथ ही लोगों को अपने घर के पास रोजगार मिल सकेगा।

समानता → विषमता / असमानता

Q5.

'विषमता' का विपरीतार्थ है--

(a) असमानता → समानता

(b) सामान्यत: → विशेषत:

(c) ~~समानता~~

(d) प्रतिकूलता → अनुकूलता

निर्देश(1-9): नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। गद्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?(C-TET 2016)

लघु उद्योग उन उद्योगों को कहा जाता है जिनके शुभारम्भ एवं आयोजन के लिए भारी-भरकम साधनों की आवश्यकता नहीं पड़ती। वे थोड़े से स्थान पर, थोड़ी पूंजी और अल्प साधनों से ही आरंभ किए जा सकते है फिर भी उनसे सुनियोजित ढंग से अधिकाधिक लाभ प्राप्त करके देश की निर्धनता, गरीबी और विषमताओं से एक सीमा तक लाया जा सकता है। अपने आकार-प्रकार तथा साधनों की लघुता व अल्पता के कारण ही इस प्रकार उद्योग धन्धों को कुटिर-उद्योग भी कहा जाता है इस प्रकार के उद्योग-धंधे अपने घर में ही आरंभ किए जा सकते है और अपने सीमित साधनों का सदुपयोग करके आर्थिक लाभ कमाया जा सकता है और सुखी समृद् बनाया जा सकता है।

भारत जैसे देश के लिए तो इस प्रकार के लघु उद्योग का महत्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि यहाँ युवाओं की एक बहुत बड़ी संख्या बेरोजगार है। इसी कारण महात्मा गाँधी ने मशीनीकरण का विरोध किया था कि लघु उद्योग को प्रश्रम देने से लोग स्वावलम्बी बनेंगे, मजदूर-किसान फसलों की बुआई-कटाई से फुर्सत पाकर अपने खाली समय का सदुपयोग भी करेंगे। इस प्रकार आर्थिक समृद्धि तो बढ़ेगी ही, साथ ही लोगों को अपने घर के पास रोजगार मिल सकेगा।

Q6.

'समृद्' शब्द में भाव है---

(a) खुशहाल होने का

(b) धनी होने का

(c) रोजगार पाने का

(d) समर्थन होने का

निर्देश(1-9): नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। गद्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?(C-TET 2016)

लघु उद्योग उन उद्योगों को कहा जाता है जिनके शुभारम्भ एवं आयोजन के लिए भारी-भरकम साधनों की आवश्यकता नहीं पड़ती। वे थोड़े से स्थान पर, थोड़ी पूंजी और अल्प साधनों से ही आरंभ किए जा सकते है फिर भी उनसे सुनियोजित ढंग से अधिकाधिक लाभ प्राप्त करके देश की निर्धनता, गरीबी और विषमताओं से एक सीमा तक लाया जा सकता है। अपने आकार-प्रकार तथा साधनों की लघुता व अल्पता के कारण ही इस प्रकार उद्योग धन्धों को कुटिर-उद्योग भी कहा जाता है इस प्रकार के उद्योग-धंधे अपने घर में ही आरंभ किए जा सकते है और अपने सीमित साधनों का सदुपयोग करके आर्थिक लाभ कमाया जा सकता है और सुखी समृद् बनाया जा सकता है।

भारत जैसे देश के लिए तो इस प्रकार के लघु उद्योग का महत्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि यहाँ युवाओं की एक बहुत बड़ी संख्या बेरोजगार है। इसी कारण महात्मा गाँधी ने मशीनीकरण का विरोध किया था कि लघु उद्योग को प्रश्रम देने से लोग स्वावलम्बी बनेंगे, मजदूर-किसान फसलों की बुआई-कटाई से फुर्सत पाकर अपने खाली समय का सदुपयोग भी करेंगे। इस प्रकार आर्थिक समृद्धि तो बढ़ेगी ही, साथ ही लोगों को अपने घर के पास रोजगार मिल सकेगा।

Q7.

कौन-सा शब्द शब्द-युग्म शेष से भिन्न है?

(a) माता-पिता विलोम

(b) भारी-भरकम समानार्थी

(c) पशु-पक्षी विलोम

(d) दिन-रात विलोमी

निर्देश(1-9): नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। गद्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?(C-TET 2016)

लघु उद्योग उन उद्योगों को कहा जाता है जिनके शुभारम्भ एवं आयोजन के लिए भारी-भरकम साधनों की आवश्यकता नहीं पड़ती। वे थोड़े से स्थान पर, थोड़ी पूंजी और अल्प साधनों से ही आरंभ किए जा सकते है फिर भी उनसे सुनियोजित ढंग से अधिकाधिक लाभ प्राप्त करके देश की निर्धनता, गरीबी और विषमताओं से एक सीमा तक लाया जा सकता है। अपने आकार-प्रकार तथा साधनों की लघुता व अल्पता के कारण ही इस प्रकार उद्योग धन्धों को कुटिर-उद्योग भी कहा जाता है इस प्रकार के उद्योग-धंधे अपने घर में ही आरंभ किए जा सकते है और अपने सीमित साधनों का सदुपयोग करके आर्थिक लाभ कमाया जा सकता है और सुखी समृद् बनाया जा सकता है।

भारत जैसे देश के लिए तो इस प्रकार के लघु उद्योग का महत्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि यहाँ युवाओं की एक बहुत बड़ी संख्या बेरोजगार है। इसी कारण महात्मा गाँधी ने मशीनीकरण का विरोध किया था कि लघु उद्योग को प्रश्रम देने से लोग स्वावलम्बी बनेंगे, मजदूर-किसान फसलों की बुआई-कटाई से फुर्सत पाकर अपने खाली समय का सदुपयोग भी करेंगे। इस प्रकार आर्थिक समृद्धि तो बढ़ेगी ही, साथ ही लोगों को अपने घर के पास रोजगार मिल सकेगा।

Q8. 'अल्पता' शब्द है--

(a) विदेशी

(b) तत्सम

(c) तद्भव

(d) देशज

निर्देश(1-9): नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। गद्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?(C-TET 2016)

लघु उद्योग उन उद्योगों को कहा जाता है जिनके शुभारम्भ एवं आयोजन के लिए भारी-भरकम साधनों की आवश्यकता नहीं पड़ती। वे थोड़े से स्थान पर, थोड़ी पूंजी और अल्प साधनों से ही आरंभ किए जा सकते है फिर भी उनसे सुनियोजित ढंग से अधिकाधिक लाभ प्राप्त करके देश की निर्धनता, गरीबी और विषमताओं से एक सीमा तक लाया जा सकता है। अपने आकार-प्रकार तथा साधनों की लघुता व अल्पता के कारण ही इस प्रकार उद्योग धन्धों को कुटिर-उद्योग भी कहा जाता है इस प्रकार के उद्योग-धंधे अपने घर में ही आरंभ किए जा सकते है और अपने सीमित साधनों का सदुपयोग करके आर्थिक लाभ कमाया जा सकता है और सुखी समृद् बनाया जा सकता है।

भारत जैसे देश के लिए तो इस प्रकार के लघु उद्योग का महत्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि यहाँ युवाओं की एक बहुत बड़ी संख्या बेरोजगार है। इसी कारण महात्मा गाँधी ने मशीनीकरण का विरोध किया था कि लघु उद्योग को प्रश्रम देने से लोग स्वावलम्बी बनेंगे, मजदूर-किसान फसलों की बुआई-कटाई से फुर्सत पाकर अपने खाली समय का सदुपयोग भी करेंगे। इस प्रकार आर्थिक समृद्धि तो बढ़ेगी ही, साथ ही लोगों को अपने घर के पास रोजगार मिल सकेगा।

Q9.

दिये गये गद्यांश के अनुसार 'प्रश्रम' शब्द है--

(a) स्वीकृति करना

(b) नियुक्ति करना

(c) संरक्षण देना

(d) अनुमोदन करना

Q10.

'ऋग्वेद' का सन्धि-विच्छेद क्या है? (UP-TET 2020)

(a) ऋक् + वेद

(b) ऋ + गवेद

(c) ऋग + वेद

(d) ऋ + वेद

Q11.

'वैदेही वनवास' किसकी रचना है? (UP-TET 2018)

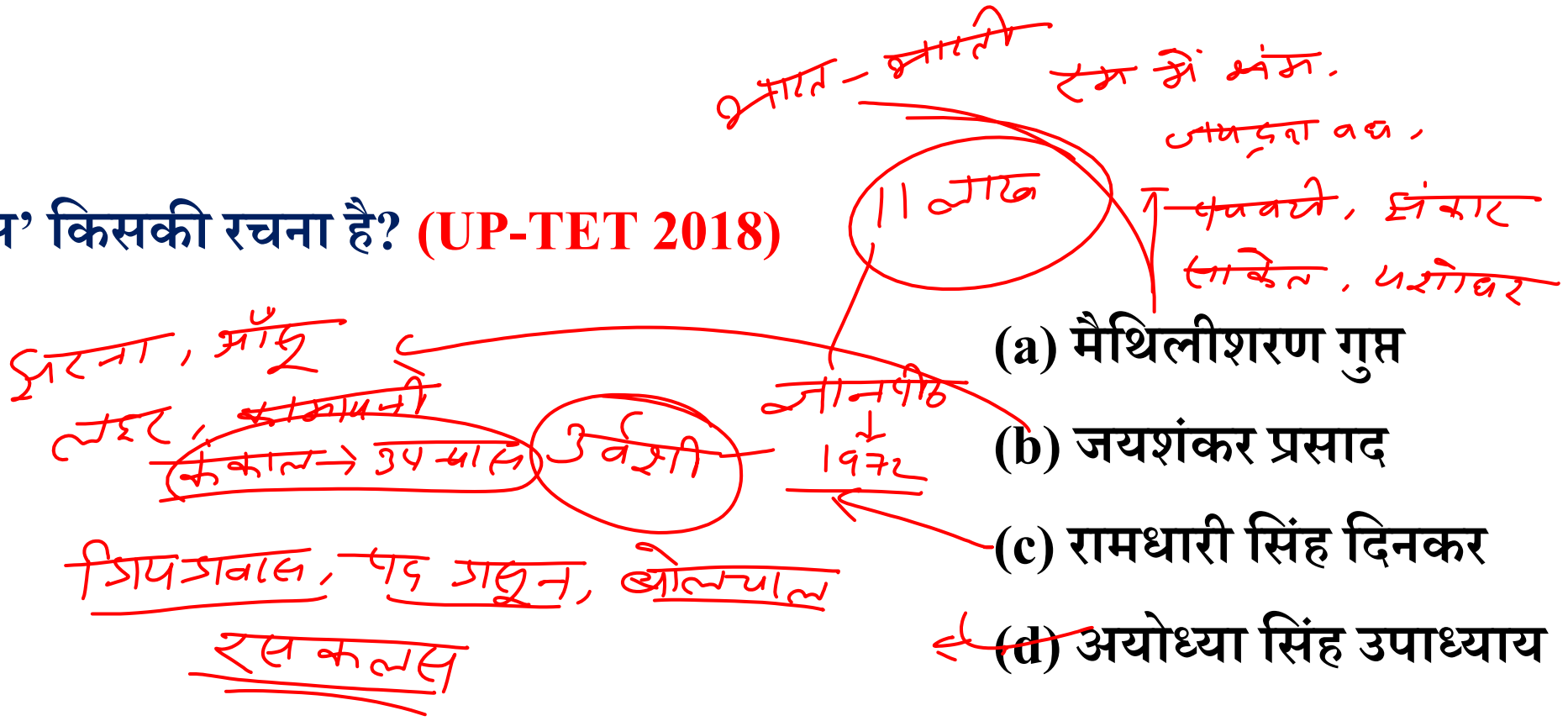

(a) मैथिलीशरण गुप्त

(b) जयशंकर प्रसाद

(c) रामधारी सिंह दिनकर

(d) अयोध्या सिंह उपाध्याय

Q12.

जंगल में लगने वाली आग को क्या कहते है? (BIHAR-TET 2015)

जंगल में लगने वाली आग

खेत में लगने वाली आग

(a) बड़वाग्नि

(b) दावाग्नि

(c) जठराग्नि

(d) यज्ञाग्नि

Q13.

किस शब्द में 'अनु' उपसर्ग का प्रयोग नहीं हुआ है?(HARYANA-TET 2020)

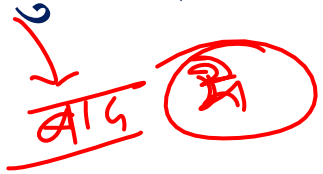

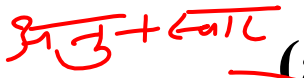

(a) अनुस्वार

(b) अनुषंग

(c) अनुदार

(d) अनुशासन

Q14.

निम्नलिखित में से 'ऊष्म व्यंजन' कौन-से है?(UP-TET2018)

(a) च-छ-ज

(b) श-ष-स

(c) अ-ब-स

(d) य-र-ल

Q15.

'चौराहा' शब्द में समास बताइए?(UP-TET2017)

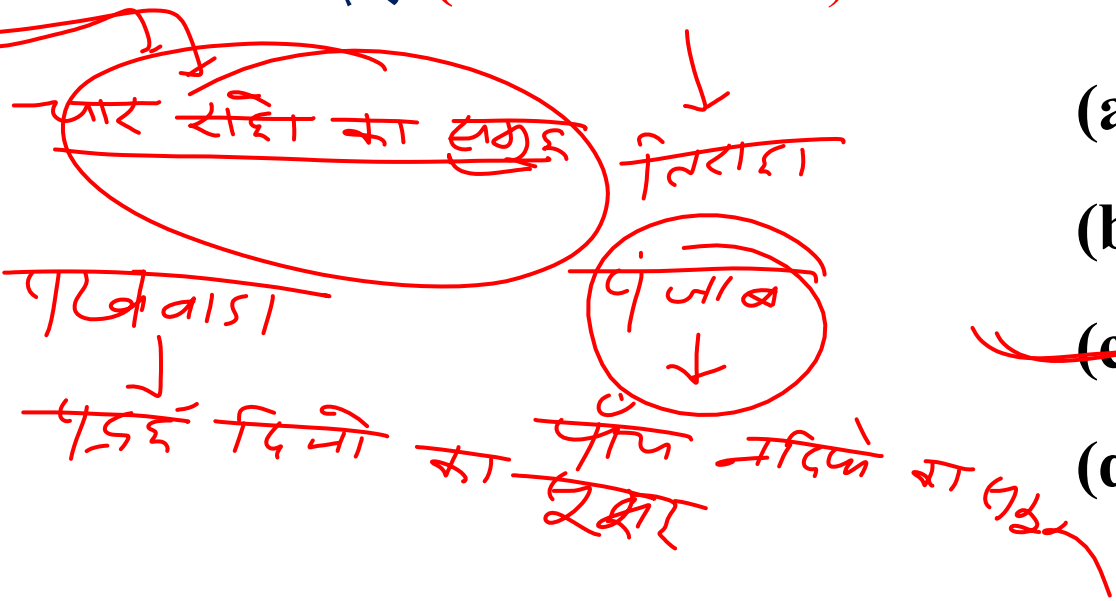

(a) कर्मधारय समास

(b) द्वन्द समास

(c) ~~दिगु~~ समास

(d) बहुव्रीहि समास

निर्देश(16-21): नीचे दिए गए कव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। कव्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?(C-TET 2020)

देशवासियों सुनो देश को नमन करो
देश ही आधार है, प्यार देश से करो।
लड़ रहे हो आज क्यों छोटी-छोटी बात पर,
देश हित को भूलकर प्रांत, भाषा, जात पर,
मिटा के भेदभाव को, देश को सुदृढ़ करो।
भ्रष्टाचार की लहर उठ रही नगर-नगर,
घोर अंधकार में सूझती नहीं डगर,
ज्योति नीति-धर्म की आज तुम प्रखर करो।
देश आज रो रहा, देश का रुदन सुनो,
बाँट दर्द देश का, मित्र देश के बनो
प्रेम के पीयूष से देष का शमन करो।

Q16.

कविता के अनुसार देश को सुदृढ़ किया जा सकता है-

(a) देश को नमन करके

(b) देशभक्ति के गीत गाकर

(c) देश हित को भूलकर

(d) समस्त भेदभाव दूर करके

निर्देश(16-21): नीचे दिए गए कव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। कव्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?(C-TET 2020)

देशवासियों सुनो देश को नमन करो
देश ही आधार है, प्यार देश से करो।
लड़ रहे हो आज क्यों छोटी-छोटी बात पर,
देश हित को भूलकर प्रांत, भाषा, जात पर,
मिटा के भेदभाव को, देश को सुदृढ़ करो।
भ्रष्टाचार की लहर उठ रही नगर-नगर,
घोर अंधकार में सूझती नहीं डगर,
ज्योति नीति-धर्म की आज तुम प्रखर करो।
देश आज रो रहा, देश का रुदन सुनो,
बाँट दर्द देश का, मित्र देश के बनो
प्रेम के पीयूष से देष का शमन करो।

Q17.

कविता में नीति-धर्म की ज्योति प्रखर करने के लिए कहा गया है, ताकि-

(a) आपसी भेदभाव दूर किया जा सके

(b) भ्रष्टाचार को दूर किया जा सके

(c) देश को प्रेम किया जा सके

(d) देश का दर्द बाँटा जा सके

निर्देश(16-21): नीचे दिए गए कव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। कव्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?(C-TET 2020)

देशवासियों सुनो देश को नमन करो
देश ही आधार है, प्यार देश से करो।
लड़ रहे हो आज क्यों छोटी-छोटी बात पर,
देश हित को भूलकर प्रांत, भाषा, जात पर,
मिटा के भेदभाव को, देश को सुदृढ़ करो।
भ्रष्टाचार की लहर उठ रही नगर-नगर,
घोर अंधकार में सूझती नहीं डगर,
ज्योति नीति-धर्म की आज तुम प्रखर करो।
देश आज रो रहा, देश का रुदन सुनो,
बाँट दर्द देश का, मित्र देश के बनो
प्रेम के पीयूष से देष का शमन करो।

Q18.

'देश आज रो रहा है।' पंक्ति का आशय है-

(a) देश के नागरिक रो रहे है

(b) देश में बाढ़ आई है

(c) देश में शांति का वातावरण है

(d) देश में अशांति का वातावरण है

निर्देश(16-21): नीचे दिए गए कव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। कव्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?(C-TET 2020)

देशवासियों सुनो देश को नमन करो
देश ही आधार है, प्यार देश से करो।
लड़ रहे हो आज क्यों छोटी-छोटी बात पर,
देश हित को भूलकर प्रांत, भाषा, जात पर,
मिटा के भेदभाव को, देश को सुदृढ़ करो।
भ्रष्टाचार की लहर उठ रही नगर-नगर,
घोर अंधकार में सूझती नहीं डगर,
ज्योति नीति-धर्म की आज तुम प्रखर करो।
देश आज रो रहा, देश का रुदन सुनो,
बाँट दर्द देश का, मित्र देश के बनो
प्रेम के पीयूष से देष का शमन करो।

Q19.

द्वेष का शमन किया जा सकता है--

(a) धर्म द्वारा

(b) प्रेम द्वारा

(c) शासन द्वारा

(d) नीति द्वारा

निर्देश(16-21): नीचे दिए गए कव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। कव्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?(C-TET 2020)

देशवासियों सुनो देश को नमन करो
देश ही आधार है, प्यार देश से करो।
लड़ रहे हो आज क्यों छोटी-छोटी बात पर,
देश हित को भूलकर प्रांत, भाषा, जात पर,
मिटा के भेदभाव को, देश को सुदृढ़ करो।
भ्रष्टाचार की लहर उठ रही नगर-नगर,
घोर अंधकार में सूझती नहीं डगर,
ज्योति नीति-धर्म की आज तुम प्रखर करो।
देश आज रो रहा, देश का रुदन सुनो,
बाँट दर्द देश का, मित्र देश के बनो
प्रेम के पीयूष से देष का शमन करो।

Q20.

'पीयूष' का विलोम शब्द है-

(a) अमृत

(b) विष

(c) क्षीर

(d) नीर

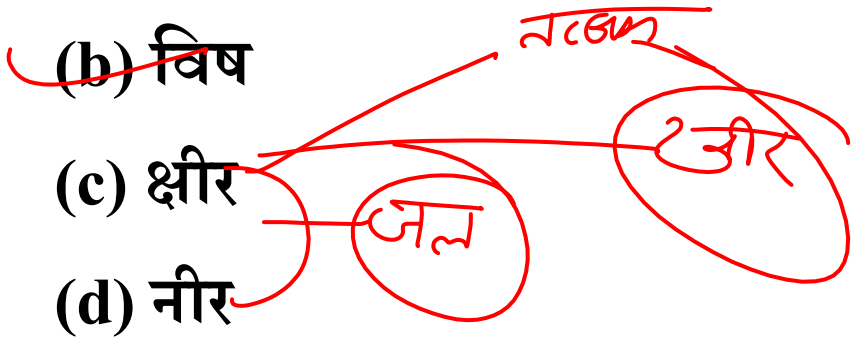

निर्देश(16-21): नीचे दिए गए कव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। कव्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?(C-TET 2020)

देशवासियों सुनो देश को नमन करो
देश ही आधार है, प्यार देश से करो।
लड़ रहे हो आज क्यों छोटी-छोटी बात पर,
देश हित को भूलकर प्रांत, भाषा, जात पर,
मिटा के भेदभाव को, देश को सुदृढ़ करो।
भ्रष्टाचार की लहर उठ रही नगर-नगर,
घोर अंधकार में सूझती नहीं डगर,
ज्योति नीति-धर्म की आज तुम प्रखर करो।
देश आज रो रहा, देश का रुदन सुनो,
बाँट दर्द देश का, मित्र देश के बनो
प्रेम के पीयूष से देष का शमन करो।

Q21.

'भ्रष्टाचार' का संधि-विच्छेद है--

(a) भ्रष्ट + आचार

(b) भ्रष्ट + अचार

(c) भ्रष्टा + चार

(d) भ्रष्ट + चार

Thank You !